



वो 4 मिनट...और पूरी तरह बदल गई रिकू सिंह की जिंदगी



भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

मुनिधि चौहान ने पहली शादी को बताया सबसे बड़ी गलती



Page-04

Page-05

केरल में पीएम नरेंद्र मोदी का चुनावी आगाज

LDF और UDF पर जमकर साधा निशाना

● विकास बनामवादों की राजनीति पर जोर

● भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण पर उठाए सवाल

लेफ्ट शासित राज्य केरल में चुनावी बिगुल रविवार (29 मार्च) को बीजेपी नेता और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फूंक दिया है। विधानसभा चुनाव (kerala elections 2026) को देखते हुए राज्य में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। केरल के पलक्कड़ में पीएम मोदी ने आज एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री पारंपरिक केरल वेशभूषा मुंडू (धोती) पहने नजर आए। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी (PM Modi) ने कहा, “उन्हें केरल में एक नई ऊर्जा और बदलाव की लहर महसूस हो रही है।” उन्होंने इस बदलाव का श्रेय राज्य की जनता और भारतीय जनता पार्टी (BJP) के लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत को दिया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राजनीतिक हिंसा के कारण कई कार्यकर्ताओं ने अपनी जान गंवाई है। उन्होंने मंच से सभी दिवंगत कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल अब बदलाव का संकेत दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और लोगों का भरोसा भाजपा पर मजबूत हो रहा है। सभा में उमड़ी भारी भीड़ को उन्होंने इस बदलाव का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ चुनावी माहौल नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन बनता जा रहा है। उनके



अनुसार, राज्य के युवा, महिलाएं और किसान अब बड़ी संख्या में भाजपा और एनडीए के साथ जुड़ रहे हैं। अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने पलक्कड़ की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पलक्कड़ को केरल का प्रवेश द्वार कहा जाता है और यहां की हरियाली, परंपराएं और मेहनती लोग इसे खास बनाते हैं। उन्होंने कल्पथी मंदिर का भी जिक्र किया और कहा कि इसकी तुलना अक्सर काशी से की जाती है, जो उनके लिए विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री ने राज्य की राजनीति पर हमला करते हुए कहा कि केरल लंबे समय से एलडीएफ और यूडीएफ के बीच फंसा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों गठबंधन वोटबैंक की राजनीति करते हैं

और विकास की अनदेखी करते हैं। उन्होंने दोनों को भ्रष्ट बताते हुए कहा कि सत्ता के बंटवारे का एक अनौपचारिक समझौता रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल पर 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज है, जो पिछले 10 साल में तीन गुना बढ़ा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यह पैसा कहां गया और आरोप लगाया कि इसका फायदा आम लोगों तक नहीं पहुंचा। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि अगर केरल में भाजपा और एनडीए की सरकार बनती है, तो विकास को नई रफ्तार मिलेगी। उन्होंने “विकसित केरल” बनाने का वादा किया और कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी तथा हर रुपये का हिसाब लिया जाएगा।

LDF और UDF के काले कारनामों का सच उजागर होगा: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पलक्कड़ में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए चुनावी बिगुल फूंक दिया है। इस दौरान पीएम मोदी का एक अलग और आत्मीय अंदाज देखने को मिला; वे पारंपरिक केरल मुंडू (धोती) धारण किए हुए थे, जो स्थानीय संस्कृति के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है। जनसभा में पहुंचने पर उनका स्वागत पारंपरिक वाद्य यंत्रों और नारों के साथ किया गया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक क्षण वह था जब प्रधानमंत्री ने स्वयं केरल के प्रसिद्ध वाद्य यंत्र ‘चेड़ा’ (झम) पर हाथ आजमाया। उनके द्वारा उत्साहपूर्वक चेड़ा बजाए जाने के दृश्य ने न केवल भीड़ में जोश भर दिया, बल्कि सोशल मीडिया पर भी खूब सुर्खियां बटोरीं। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आत्मविश्वास के साथ कहा कि इस बार केरल की राजनीतिक फिजा बदली हुई नजर आ रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पलक्कड़ का यह जनसैलाब केवल एक चुनावी सभा नहीं, बल्कि एक जीवंत



76 बड़े स्टेशनों पर भीड़ कम करने की तैयारी

एक अरब से ज्यादा आबादी वाले भारत में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। खासकर त्योहारों और पीक समय में प्लेटफॉर्म पर भीड़ इतनी बढ़ जाती है कि यात्रियों को घूमने-फिरने में दिक्कत होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए रेल मंत्रालय अब बड़ा कदम उठा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश के 76 प्रमुख स्टेशनों पर स्थायी यात्री होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहले ही ऐसा होल्डिंग एरिया बनाया गया है। वहां यह व्यवस्था अच्छी तरह काम कर रही है। मंत्री ने खुद इसका निरीक्षण किया और बताया कि रिकॉर्ड भीड़ के बावजूद प्लेटफॉर्म बाहर यात्रियों को व्यवस्थित रखा जा रहा है। बिना टिकट के कोई अंदर नहीं जा पाता। इस सफलता के बाद अब पूरे देश में 76 स्टेशनों पर इसी तरह की सुविधा शुरू की जा रही है। ये काम 2026 के त्योहारी सीजन से पहले पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इन होल्डिंग एरिया को यात्री सुविधा केंद्र या यात्री सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां बैठने की अच्छी व्यवस्था होगी। पीने का साफ पानी, शौचालय, टिकट काउंटर, सूचना बोर्ड और सुरक्षा जांच की सुविधाएं होंगी। एरिया को तीन हिस्सों में बांटा जाएगा – टिकटिंग, पोस्ट-टिकटिंग और प्री-टिकटिंग। इससे यात्रियों का आवागमन आसान और व्यवस्थित रहेगा।

ईरान जंग पर पाकिस्तान की 3 देशों के साथ मीटिंग:

हम आपको बता दें कि शौर्य स्वर्चॉइन असल में झेन आधारित विशेष इकाइयां हैं, जिन्हें सीधे टैंक रेजीमेंट के साथ जोड़ा जा रहा है। हर स्वर्चाइन में बीस से पच्चीस प्रशिक्षित सैनिक होते हैं, जो निगरानी झेन, आक्रमण झेन, झुंड झेन, प्रथम दृश्य झेन और मंडराते हथियारों का संचालन करते हैं। भारत की रणभूमि अब बदल चुकी है और इस बदलाव का नाम है शौर्यस्वर्चॉइन। हम आपको बता दें कि मध्य प्रदेश में बाबीना फील्ड फायरिंग रेंज में झांसी के पास हुए तेरह दिन के भीषण सैन्य अभ्यास ने यह साफ कर दिया कि भारतीय सेना अब सिर्फ ताकत से नहीं, बल्कि तकनीक, गति और सटीकता से युद्ध जीतने की दिशा में आगे बढ़ चुकी है। यह अभ्यास आने वाले युद्धों की झलक था। 31 अक्टूबर डिवीजन के नेतृत्व में हुए इस अभ्यास में शौर्य स्वर्चॉइनों ने जिस तरह से अपनी क्षमता दिखाई, उसने दुश्मनों के लिए साफ संदेश दे दिया है कि अब भारत की टैंक शक्ति पहले से कहीं ज्यादा घातक और अचूक हो चुकी है। हम आपको बता दें कि शौर्य स्वर्चॉइन असल में झेन आधारित विशेष इकाइयां हैं, जिन्हें



सीधे टैंक रेजीमेंट के साथ जोड़ा जा रहा है। हर स्वर्चॉइन में बीस से पच्चीस प्रशिक्षित सैनिक होते हैं, जो निगरानी झेन, आक्रमण झेन, झुंड झेन, प्रथम दृश्य झेन और मंडराते हथियारों का संचालन करते हैं। पहले जहां टैंक केवल अपनी नजर की सीमा तक ही देख पाते थे, अब शौर्य स्वर्चॉइन उन्हें दुश्मन के इलाके में गहराई तक देखने और वार करने की ताकत दे रहे हैं। यह बदलाव साधारण नहीं, बल्कि युद्ध की परिभाषा बदल देने वाला है। हम आपको बता दें कि

भारतीय सेना ने इस अवधारणा को इस तरह विकसित किया है कि अब युद्ध केवल जमीन पर नहीं, बल्कि आकाश और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में भी एक साथ लड़ा जाएगा। शौर्य स्वर्चॉइन का मुख्य लक्ष्य है सेंसर से वार तक के समय को न्यूनतम करना, यानी दुश्मन दिखते ही तत्काल उसे खत्म करना। यह वही रणनीति है जो आधुनिक युद्ध की रीढ़ बन चुकी है। दुश्मन के पास प्रतिक्रिया का समय ही नहीं बचेगा। यह सीधा, तेज और निर्णायक युद्ध मॉडल है।

सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब, कई शहरों में विरोध प्रदर्शन तेज

अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ हुए नो किंग्स टेली में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बहती महंगाई को लेकर है। कई जगहों पर लोगों ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की। ट्रम्प के खिलाफ अब तक राष्ट्रीय स्तर पर 3 बार नो किंग्स प्रदर्शन हो चुके हैं। पहला बड़ा प्रदर्शन जून 2025 में आयोजित किया गया।



इसके बाद अक्टूबर 2025 में दूसरा प्रोटेस्ट हुआ। जबकि तीसरा प्रोटेस्ट 28 मार्च यानी कल हुआ। क्वाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को ‘थेरेपी सेशन’ बताते हुए कहा कि आम लोगों को इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं ट्रम्प का कहना है कि उनके फैसले देश को मजबूत बनाने के लिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे

‘राजा’ नहीं हैं और उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप गलत हैं। सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी ट्रम्प के खिलाफ नाराजगी देखने को मिली है। पेरिस, लंदन और लिस्बन जैसे शहरों में भी लोगों ने सड़कों पर उतरकर ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शन किया और उन्हें पद से हटाने की मांग की।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in



भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1

प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़

ई-पेपर



विज्ञापन दर

साईज	डिलिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अवर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4-अंतिम)	फ्रंट पेज
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

☎ 8601780000

“थक चुके हैं...” लीक चिट्ठी से इजरायली सेना पर उठे सवाल

यरुशलम पोस्ट के मुताबिक डिफेंस चीफ ने कहा कि अगर मैन पावर की शॉर्टेंज का सॉल्यूशन नहीं निकला तो आर्मी कोलैप्स कर जाएगी। आईडीएफ के सूत्रों ने बताया कि अभी तो युद्ध चल रहा है पर इजराइल को शांति के समय गजा, लेबनान, सीरिया, वेस्ट बैंक के बॉर्डर्स पर सैनिकों की जरूरत है।



ईरान से जंग, लेबनान में हिजबुल्लाह पर हमले और गाना में हमला से दो-दो हाथ... तीन मोर्चों पर उलझे इजराइल के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने बताया कि जवानों की भारी मी है और इसका हल नहीं निकला तो इजराइली सेना अंदरूनी तौर पर 'ढह' सकती है। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट मीटिंग में जनरल जमीर ने 10 खतरों (10 रेड फ्लेग) को सामने रखा। यरुशलम पोस्ट के मुताबिक डिफेंस चीफ ने कहा कि अगर मैन पावर की शॉर्टेंज का सॉल्यूशन नहीं निकला तो आर्मी कोलैप्स कर जाएगी। आईडीएफ के सूत्रों ने बताया कि अभी तो युद्ध चल रहा है पर इजराइल को शांति के समय

गजा, लेबनान, सीरिया, वेस्ट बैंक के बॉर्डर्स पर सैनिकों की जरूरत है। उन्होंने यह भी बताया कि अगर सरकार सैनिकों की भर्ती नहीं करती है तो कई जगह बिग गैप्स यानी कि सैनिकों की भारी कमी हो जाएगी। आगे यह भी बताया कि सरकार की ओर से हरेदी यहूदी को सेना में शामिल करने के लिए अभी तक कोई ठोस कानून नहीं लाया गया है। इजरायली सेना के प्रमुख ने जिन खतरों को गिनाया, उनमें जवानों की कमी के साथ मिशन पर जुटे सैनिकों पर बढ़ता बोझ, थकान, अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव, हथियार सप्लाई में कमी का जोखिम, अग्रिम मोर्चों पर अनुभवी कमांडरों की कमी और

भर्ती में असमानता, ट्रेनिंग में गिरावट, मानसिक स्वास्थ्य का संकट अहम हैं। इन खतरों से जल्द नहीं निपटे तो सेना ढह जाएगी। हरेदी यहूदियों को अल्ट्रा ऑर्थोडॉक्स यहूदी कहा जाता है। मतलब इजराइल के कट्टरपंथी यहूदी। इस समुदाय के पुरुषों को तोरातो उमुनातो व्यवस्था के तहत एक विशेष छूट मिलती है कि वह यहूदी धर्म ग्रंथ तोराह की पढ़ाई अपने धार्मिक स्थल पर रहकर कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें मिलिट्री सर्विस से छूट मिल सकती है। फिलहाल इजराइल गजा, लेबनान, सीरिया, वेस्ट बैंक के फ्रंट पर युद्ध लड़ रहा है। साथ ही हरेदी यहूदियों की सेना में शामिल ना होने की वजह से

सेना में भारी कमी आई है। हरेदी सेना मुद्दे पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू का कहना है कि उनकी भर्ती से जुड़े बिल को वॉट की वजह से साइड कर दिया गया है क्योंकि इससे देश की एकता पर खतरा पड़ सकता है। सेना का संकट सामने आने के बाद इजराइल के विपक्षी नेताओं ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जवान बढ़ाने के लिए तुरंत इमरजेंसी बैलक बुलाएं। विपक्षी नेता यायर लैपिड ने कहा कि तुरंत अनिवार्य सैन्य सेवा कानून लागू हो। सूत्रों ने बताया कि सैनिकों की कमी की वही वजह यह भी है कि हरेदी समुदाय ने सेना में शामिल होने का विरोध किया है।

में मौत के मुंह से लौटी हूं,
अमित शाह के आरोपों पर
ममता बनर्जी बोलीं



पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी जताई है। दरअसल, अमित शाह ने एक दिन पहले तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ राजनीतिक आरोपपत्र जारी करते हुए ममता बनर्जी पर विक्टिम कार्ड खेलने का आरोप लगाया था। शाह ने कहा था कि चुनाव के समय ममता कभी अपनी चोट तो कभी चुनाव आयोग को मुद्दा बनाकर सहानुभूति बटोरने की कोशिश करती हैं। पुरुलिया जिले के मानबाजार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने अमित शाह को सीधी चुनौती दी। उन्होंने कहा, 'जो लोग कह रहे हैं कि मैं चुनाव के दौरान पट्टी बांधकर घूमती हूं, वे जाकर मेरी विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट देख लें। मैं बार-बार मौत के मुंह से वापस लौटी हूं।' अमित शाह द्वारा टीएमसी सरकार के खिलाफ जारी किए गए आरोपपत्र पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खुद शाह के खिलाफ उनके पुराने कृत्यों के लिए चार्जशीट दाखिल होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता केवल राज्य की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उनकी सरकार ने बंगाल के विकास के लिए निरंतर काम किया है।

भारत का 5000 टन डीजल पहुंचा बांग्लादेश गदगद हुए तारिक रहमान

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का असर अब पूरी दुनिया पर साफ दिखाई देने लगा है। जहां ग्लोबल ऑयल सप्लाई में आई रुकावटों के चलते दुनिया के कई देशों की मुश्किलें बढ़ गईं और इस समय भारत का पड़ोसी देश बांग्लादेश भी गंभीर ईंधन संकट का सामना कर रहा है और ऐसे मुश्किल हालात में बांग्लादेश की मदद के लिए भारत ने आगे बढ़कर कदम उठाया। दरअसल खबर सामने आई है कि भारत ने बांग्लादेश को 5000 टन डीजल की अतिरिक्त आपूर्ति भेजी है। इसके साथ ही हाल के दिनों में भारत से बांग्लादेश को कुल 15,000 टन डीजल पहुंचाया जा चुका है। बांग्लादेश को जा रही आपूर्ति आसाम में स्थित नुमालीगढ़ रिफाइनरी से भारत बांग्लादेश फ्रेंडशिप पाइपलाइन के जरिए की जा रही है जो सीधे बांग्लादेश के पार्वतीपुर डिपो तक डीजल पहुंचाती है। सूत्रों के मुताबिक भारत की ओर से यह आपूर्ति यहीं नहीं रुकने वाली बल्कि 28 मार्च को भी 6000 टन और डीजल भेजा जाएगा। वहीं अप्रैल महीने के लिए भारत ने 400 टन डीजल सप्लाई

करने का प्रस्ताव बांग्लादेश को दिया जिसे बांग्लादेश ने मंजूर कर लिया है। माना जा रहा है कि इससे बांग्लादेश के बिजली उत्पादन और परिवहन व्यवस्था पर पड़े भारी दबाव को काफी हद तक कम किया जाएगा। दरअसल बांग्लादेश की सालाना डीजल मांग लगभग 40 लाख टन है और यह पूरी तरह आयात पर निर्भर है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर उनकी अर्थव्यवस्था पर और आम जनजीवन पर पड़ा है। अब भारत की ओर से लिए गए इस कदम के कई अहम मायने सामने आ रहे हैं। जहां साल 2024 में बांग्लादेश में आए राजनीतिक बदलाव के बाद भारत और बांग्लादेश के संबंधों को बेहद खराब दौर से गुजरना पड़ा है। दोनों देशों के बीच कई ऊर्जा समझौतों की समीक्षा कर दी गई थी और कुछ परियोजनाएं बिल्कुल ठप पड़ गई थी। लेकिन हाल ही में हुए चुनाव और सत्ता परिवर्तन के बाद वापस से हालात बदलते हुए नजर आ रहे हैं। जहां नई सरकार के साथ भारत के संबंध में सुधार के संकेत मिल रहे हैं और मौजूदा डीजल की आपूर्ति



को दोनों देशों के बीच फिर से मजबूत होते हुए सहयोग और भरोसे के रूप में देखा जा रहा है। मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच यह पहल ना केवल बांग्लादेश के लिए राहत की खबर है बल्कि क्षेत्ररता और सहयोग को भी मजबूत करने की एक

खबर है। भारत हमेशा से ही अपने पड़ोसियों की मदद करता आ रहा है और संकट की स्थिति में भारत का ये कदम पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए उठाया गया कदम माना जा रहा है। फिलहाल सभी की नजरें आने वाले महीनों

पर टिकी है। जहां यह देखना अहम होगा कि भारत और बांग्लादेश के बीच का सहयोग किस दिशा में आगे बढ़ता है। वहां की नई सरकार के आने के बाद भारत और बांग्लादेश के संबंध किस दिशा में जाते हैं।

भारी भरकम वादों के साथ चुनावी मैदान में उतरे थलपति विजय

तमिलनाा वेद्री कन्नगम (TVK) के प्रमुख विजय ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए बड़ा ऐलान किया है। विजय 23 अप्रैल को होने वाले चुनावों में दो निर्वचन क्षेत्रों, चेन्नई के पेराम्बुर और तिरुचिरापल्ली पूर्व से अपनी किस्मत आजमाएंगे। रविवार को उन्होंने अपनी पार्टी के सभी 234 उम्मीदवारों की विस्तृत सूची भी जारी कर दी है। विजय ने अपनी 'कोर टीम' के अनुभवी और विश्वसनीय नेताओं को मैदान में उतारा है। प्रमुख उम्मीदवारों में टी. नगर से एन. आनंद, मायलापुर से वेंकट रमन और विलिवक्कम से आधव अर्जुन के नाम शामिल हैं। उम्मीदवारों का परिचय कराते हुए विजय ने भावुक अपील की और कहा कि उन्होंने अपनी टीम में ऐसे लोगों को चुना है जो सीधे जनता के सवालों का जवाब देंगे। विजय ने इस चुनाव को सीधे तौर पर अपने गठबंधन और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सत्ताधारी पार्टी डीएमके के बीच की लड़ाई बताया। उन्होंने मौजूदा सत्ताधारी गठबंधन की आलोचना करते हुए उसे केवल 'जोड़-तोड़ की राजनीति' करार दिया। विजय का दावा है कि उनके उम्मीदवार साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और वे आम आदमी के संघर्षों को बेहतर समझते हैं। विजय ने मतदाताओं से 'सीटी' चुनाव चिह्न पर वोट देने का आग्रह करते हुए वादा किया कि उनकी सरकार कभी जनता के पैसे का दुरुपयोग नहीं करेगी। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा, नशामुक्त राज्य और सख्त कानून-व्यवस्था लागू करने की बात कही। उन्होंने जनता से एक मौका मांगते हुए भरोसा दिलाया कि वे हमेशा लोगों के हितों के लिए काम करेंगे। युवाओं और बेरोजगारों के लिए बड़े वादे युवा मतदाताओं को लुभाने के लिए विजय ने कई आर्थिक गारंटियों की घोषणा की है। बेरोजगारी भत्ता: 29 वर्ष से अधिक आयु के बेरोजगारों को 4,000 रुपये और डिस्कोमा धारकों को 2,500 रुपये प्रतिमाह देने का वादा। शिक्षा ऋण: 12वीं से लेकर पीएचडी तक के छात्रों के लिए 20 लाख रुपये तक के बिना गारंटी वाले लोन की सुविधा।

असम चुनाव के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे ने किए 5 बड़े ऐलान, क्या भाजपा की बड़ी टेंशन?

असम विधानसभा चुनाव से पहले, कांग्रेस ने राज्य की सत्ता में वापसी के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। रविवार को लखीमपुर जिले के नाओबोइचा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी का घोषणापत्र जारी किया और जनता के लिए 'पांच मुख्य गारंटियों' का एलान किया। रैली के दौरान खड़गे ने भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह 'डबल इंजन' नहीं बल्कि 'डबल लूट' की सरकार है, जो असम के संसाधनों का इस्तेमाल दिल्ली में बैठे नेताओं की तिजोरियां भरने के लिए कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को 'नकली मुख्यमंत्री' बताते हुए कहा कि उन्होंने धोखे से सत्ता हासिल की है और अब राज्य में डर का माहौल बना रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा के शासन में भ्रष्टाचार चरम पर है और



उनके नेताओं के परिवार के सदस्य भी इसमें शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा देश को पुराने 'मनुवाद' के हिसाब से चलाना चाहती है, जहां दलितों और पिछड़ों के साथ भेदभाव किया जाता है। खड़गे ने लोगों से एकजुट होकर ऐसी विभाजनकारी ताकतों को सत्ता से बाहर करने की अपील की। खड़गे ने

शंकर देव, गोपीनाथ बोरदोलोई और तरुण गोगोई जैसे महान व्यक्तित्वों को याद करते हुए कहा कि इन लोगों ने असम को बनाया है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई लड़ी और देश को एकजुट रखा, वहीं भाजपा केवल लोगों के बीच फूट डालने का काम कर रही है।



संपादक की कलम से

बालेन शाह:
नेपाल में हिंदुत्व की
राजनीति का आगाज

बालेन शाह ने शुक्रवार को अभिजित मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार और बौद्ध शांति पाठ के बीच नेपाल के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली. उनके साथ 15 मंत्रियों ने भी शपथ ली. इसके साथ ही नेपाल ने एक नए युग में प्रवेश किया. अब इस हिमालयी देश को एक स्थिर सरकार मिलती हुई दिख रही है. पांच मार्च को कराए गए चुनाव में जनता ने पटिपक्व, निष्ठावान और ऐतिहासिक जनादेश दिया. बालेन युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं. पिछले साल सितंबर में हुए जेन जी आंदोलन के बाद वो चर्चा में आए थे. उनकी केवल तीन साल पुरानी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को इस चुनाव में दो तिहाई बहुमत मिला. उसने 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली की 165 में से 125 सीटें और समानुपातिक प्रणाली की 57 सीटों के साथ कुल 182 सीटें जीती हैं. आरएसपी को मिला यह जनादेश कई मायनों में ऐतिहासिक है. नेपाल में 1999 के बाद यह पहली बार है जब किसी अकेली पार्टी को अपने दम पर बहुमत मिला है. ऐसा बहुमत तो राजशाही के अंत के बाद 2008 में हुए पहली संविधान सभा के चुनाव में पुष्प कमल दहाल प्रचंड को भी नहीं मिला था. बालेन के शपथ के साथ ही नेपाल में राजनीति अस्थिरता खत्म होने की संभावना प्रबल होती दिख रही है. बालेन शाह नेपाल के सबसे युवा और पहले मधेशी प्रधानमंत्री हैं. संविधान लागू होने के केवल दस साल के भीतर ही किसी मधेशी का इस राजनीतिक मुकाम पर पहुंचना नेपाल की राजनीति में एक दुर्लभ और महत्वपूर्ण क्षण है. देश का 35 साल पुराना बहुदलीय इतिहास बताता है कि इस दौरान 30 प्रधानमंत्री बने. लेकिन पार्टियों की अंदरूनी लड़ाई और नेताओं की महत्वाकांक्षा की वजह से कोई भी सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई. इस दौरान अस्थिरता नेपाल की राजनीतिक नियति बन गई थी. सत्ता के लोभ में नए-नए गठबंधन बनते-बिगड़ते रहे. सत्ता की कुर्सी ओली, प्रचंड और देउबा के बीच घूमती रही. पांच मार्च को हुए चुनाव में आरएसपी ने कुछ हिमालयी जिलों को छोड़कर पूरे नेपाल में बेहतर प्रदर्शन किया है. उसने मधेश में भी उम्मीद से बेहतर सफलता हासिल की. आरएसपी ने वहां की 31 में से 30 सीटें अपने नाम कर लीं. यह हाल तब है जब मधेश में आरएसपी को संघवाद विरोधी माना जा रहा था. बालेन शाह के सामने आंतरिक चुनौतियों के साथ-साथ विदेश नीति की चुनौतियां भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं. कम्युनिस्ट दलों की चुनावी हार के बाद भले ही उनका प्रभाव कम हुआ हो, लेकिन नेपाल को भारत-चीन के बीच बेहतर तालमेल बनाना होगा. इसके अलावा हाल के सालों में विकास अनुदान, एनजीओ, छात्रवृत्तियां आदि के माध्यम से अमेरिका ने भी नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ाया है. नई सरकार के कई सांसद भी इन कार्यक्रमों के लाभार्थी रहे हैं, इसलिए सरकार पर अमेरिकी प्रभाव भी नजर आ सकता है. कुल मिलाकर नेपाल की विदेश में नीति में इन तीनों शक्तियों भारत, चीन और अमेरिका के बीच संतुलन की रणनीति अपनाते हुए अपने राष्ट्रीय हितों और विकास लक्ष्य को हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा.

मुनेश शुक्ला
संपादक

शादी के बाद ‘ना’ की अनदेखी कानून की सबसे बड़ी खामियां



सीमा जोशी

भारतीय समाज में विवाह को केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं, बल्कि एक पवित्र और अटूट बंधन के रूप में देखा जाता है. लेकिन जब यही बंधन कानून के दायरे में आता है, तो एक असहज प्रश्न सिर उठाता है, क्या विवाह के भीतर सहमति का कोई अर्थ रह जाता है? हाल ही में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के ग्वालियर बेंच के एक फैसले ने इस प्रश्न को और गहरा कर दिया है. अदालत ने यह स्पष्ट किया कि वैध विवाह के भीतर पति-पत्नी के बीच यौन संबंधों में 'सहमति' का प्रश्न कानूनी रूप से अप्रासंगिक है. यह निष्कर्ष किसी नैतिक स्वीकृति का नहीं, बल्कि कानून की वर्तमान संरचना का परिणाम है, एक ऐसी संरचना, जो स्त्री की इच्छा और असहमति को विवाह के भीतर सीमित कर देती है. यह इस फैसले की कानूनी बारीकियों को सामने लाती है. अदालत ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 375 में निहित वैवाहिक अपवाद का हवाला देते हुए कहा कि पति द्वारा पत्नी के साथ यौन संबंध चाहे वह उसकी इच्छा के विरुद्ध ही क्यों न हो बलात्कार की श्रेणी में नहीं आता. इसी तर्क के आधार पर धारा 377 के तहत 'अप्राकृतिक कृत्य' का आरोप भी असंगत ठहराया गया. यहां कानून एक अजीब स्थिति में खड़ा दिखता है, वह कृत्य को गलत मान सकता है, पर उसे अपराध नहीं मानता. ऐसे में सवाल उठता है कि जब एक महिला की 'ना' विवाह के बाहर पूर्ण कानूनी महत्व रखती है, तो विवाह के भीतर वही 'ना' क्यों मौन हो जाती है? यह केवल कानून की तकनीकी व्याख्या नहीं, बल्कि समाज की गहरी संरचनात्मक असमानता का प्रतिबिंब है. पुरानी भारतीय दंड संहिता (IPC) से लेकर नई भारतीय न्याय संहिता (BNS) तक की यात्रा इस प्रश्न का उत्तर खोजने का अवसर थी. परंतु यह यात्रा अधूरी रह

गई. बीएनएस ने न केवल आईपीसी की मूल संरचना को बनाए रखा, बल्कि वैवाहिक अपवाद को भी जस का तस स्वीकार कर लिया. अंतर केवल इतना है कि आईपीसी की धारा 377—जो कभी-कभी एक वैकल्पिक रास्ता प्रदान करती थी, अब हटा दी गई है. परिणामस्वरूप, विवाह के भीतर यौन हिंसा के विरुद्ध अपराधिक कानून और भी सीमित हो गया है. यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को जन्म देती है,

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक ऐसा नाम उभर रहा है जो योगी आदित्यनाथ की याद दिलाता है। ये नाम उत्पल महाराज का है। मूल नाम स्वामी ज्योतिर्मयानंद। वह भारत के सेवा आश्रम संघ के प्रमुख चेहरे रहे हैं। लेकिन अब उन्होंने संघ से निष्कासित होने के बाद भाजपा की टिकट स्वीकार कर ली है और वह उत्तर दिनाजपुर जिले की कालियागंज सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। यह कोई छोटा फैसला नहीं है।

वही कृत्य, जो विवाह के बाहर अपराध है, विवाह के भीतर वैध हो जाता है. यह केवल कानूनी अंतर नहीं, बल्कि न्याय की दोहरी परिभाषा है. इस पूरे विमर्श का

सबसे चिंताजनक पहलू 'सहमति' का क्षरण है. सहमति केवल एक शब्द नहीं, बल्कि व्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा का आधार है. जब कानून विवाह के भीतर इसे अप्रासंगिक घोषित करता है, तो वह अनजाने में यह संदेश देता है कि विवाह, स्त्री की स्वायत्तता पर वरीयता रखता है. यह प्रश्न तब और गंभीर हो जाता है, जब हम इसे संविधान के संदर्भ में देखते हैं. भारत का संविधान हर नागरिक को गरिमा, स्वतंत्रता और शारीरिक स्वायत्तता का अधिकार देता है. यदि ये अधिकार सार्वभौमिक हैं, तो विवाह के भीतर उनका क्षरण कैसे स्वीकार्य हो सकता है? अदालतें अक्सर यह कहकर अपनी सीमाएं रेखांकित करती हैं कि यह विषय विधायिका के दायरे में आता है. किंतु विधायिका ने भी, बीएनएस के माध्यम से, इस मौन को बनाए रखा है. इस प्रकार, न्यायपालिका और विधायिका दोनों के बीच 'सहमति' का प्रश्न एक अनुत्तरित पहली बना हुआ है. इस बीच, समाज में एक और मौन पनपता है, पीड़िताओं का मौन. जब कानून यह संकेत देता है कि उनकी असहमति का कोई महत्व नहीं, तो न्याय की आशा भी धीरे-धीरे क्षीण होने लगती है. अंततः, यह प्रश्न केवल कानून का नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक विवेक का है, क्या विवाह एक साझेदारी है या एक ऐसा अनुबंध जहां 'ना' का कोई अस्तित्व नहीं? आईपीसी से बीएनएस तक का सफर हमें यह सिखाता है कि कानून बदलना आसान है, पर उसकी आत्मा को बदलना कहीं अधिक कठिन. जब तक विवाह के भीतर भी सहमति को वही सम्मान नहीं मिलेगा, जो विवाह के बाहर है, तब तक न्याय अधूरा ही रहेगा. और तब तक, स्त्री की 'ना' कानून की किताबों में नहीं, केवल उसके भीतर गूंजती रहेगी.

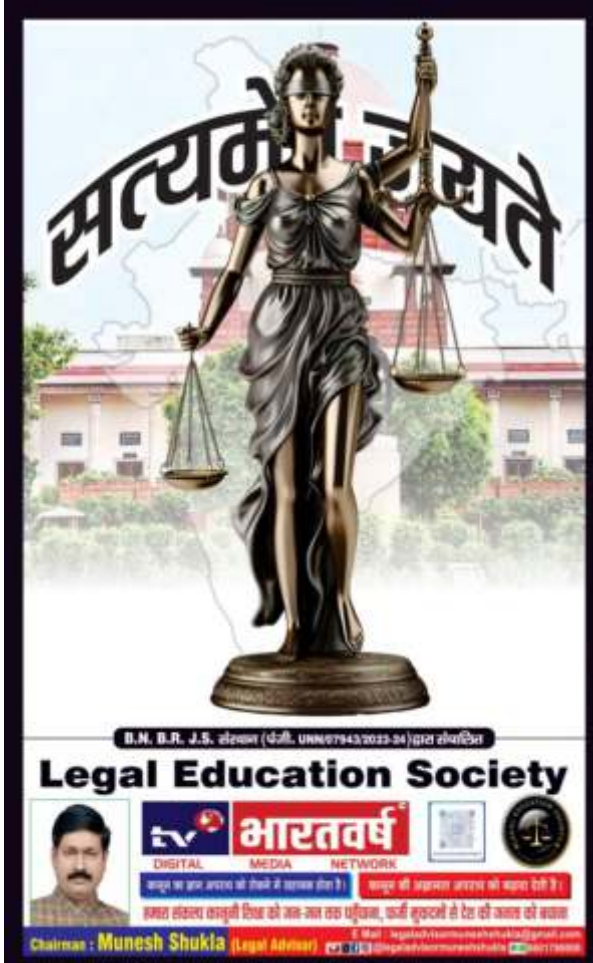
इंसाफ या सियासी बदला, जनता के बीच बंटी राय

नेपाल की राजनीति में एक बड़ा और चौंकानेवाला घटनाक्रम सामने आया है. देश के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली (KP Sharma Oli) और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखी (Ramesh Lekhi) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. दोनों नेताओं को काठमांडू में पुलिस पेटिसर लाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है. इस कार्रवाई ने पूरे देश की राजनीति में हलचल मचा दी है और इसे एक बड़े राजनीतिक मोड़ के तौर पर देखा जा रहा है. सरकार की ओर से इस गिरफ्तारी को कानून की प्रक्रिया का हिस्सा बताया जा रहा है. मौजूदा गृह मंत्री सुदान गुरुंग (Sudan Gurung) ने साफ कहा है कि यह किसी तरह की राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई नहीं है, बल्कि न्याय की दिशा में उठाया गया कदम है. उन्होंने कहा कि कानून सबके लिए बराबर है और चाहे व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो, अगर उसके खिलाफ आरोप हैं, तो जांच और कार्रवाई होना जरूरी है. दूसरी ओर, पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस कार्रवाई को पूरी तरह से राजनीतिक साजिश करार दिया है. उन्होंने कहा कि उन्हें प्रतिशोध की भावना से

गिरफ्तार किया गया है और वे इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ेंगे. ओली के समर्थकों ने भी विरोध जताना शुरू कर दिया है. हालांकि, राजधानी काठमांडू में उनके राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं की संख्या ज्यादा नहीं थी, लेकिन उन्होंने प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया. कुछ स्थानों पर कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लेकर पहुंचे और गिरफ्तारी के खिलाफ नारेबाजी की. यह विरोध भले ही सीमित था, लेकिन इसके जरिए पार्टी ने अपना राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह गिरफ्तारी नेपाल की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत कर सकती है. एक तरफ सरकार इसे भ्रष्टाचार या अन्य आरोपों पर कार्रवाई बता रही है, वहीं विपक्ष इसे लोकतंत्र पर हमला बता रहा है. इस पूरे घटनाक्रम ने सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव को और तेज कर दिया है. नेपाल में पिछले कुछ समय से राजनीतिक अस्थिरता का माहौल बना हुआ है. सरकार में बदलाव, नए गठबंधन और नेताओं के बीच खींचतान लगातार देखने को मिल रही है. ऐसे में देश के एक बड़े नेता की गिरफ्तारी ने इस अस्थिरता को और बढ़ा दिया है. आम जनता भी इस घटनाक्रम को लेकर बंटी हुई नजर आ रही है.



कुछ लोग इसे कानून का सही इस्तेमाल मान रहे हैं, तो कुछ इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रहे हैं. कुल मिलाकर, केपी शर्मा ओली और रमेश लेखी की गिरफ्तारी सिर्फ एक कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम है, जो नेपाल की सत्ता, विपक्ष और लोकतांत्रिक व्यवस्था के बीच नए समीकरण तय कर सकता है. काठमांडू में हुआ यह सीमित लेकिन प्रतीकात्मक विरोध इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गरमा सकता है. अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि यह मामला किस दिशा में आगे बढ़ता है और इसका देश की राजनीति पर क्या असर पड़ता है.



गरीबी को मात देकर टायर बेचने वाले की बेटी सबरीन परवीन ने किया टॉप

तीन बहनों में सबसे बड़ी सबरीन बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं. वो लगातार कई घंटे की पढ़ाई करती थीं और आज पूरे प्रदेश में उन्होंने टॉप किया है.

बिहार बोर्ड ने 10वीं परीक्षा का रिजल्ट भी जारी कर दिया है. इस बार भी लड़कियों ने ही परीक्षा में टॉप किया है. पूरे राज्य में दो टॉपर्स में सबरीन परवीन का नाम भी शामिल है. उनकी कहानी काफी कमाल की है. चेहरा कलां प्रखंड के एक छोटे से गांव की बेटी ने अपनी मेहनत के दम पर बिहार बोर्ड की परीक्षा में पूरे राज्य में परचम लहराया है. सबरीन परवीन, जिन्होंने अपनी सफलता से न केवल अपने माता-पिता, बल्कि पूरे वैशाली जिले का नाम रोशन किया है, उनके पिता मोहम्मद शहजाद आलम, बंगाल के रामपुरहाट में एक पुरानी टायर की दुकान चलाते हैं. सीमित संसाधनों के बावजूद, उन्होंने अपनी बेटियों की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी. "तीन बहनों में सबसे बड़ी सबरीन बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं. उनकी इस सफलता के पीछे उनकी मां अंगूरी देवी का भी बड़ा हाथ है, जो घर के काम के साथ-साथ



बेटी की पढ़ाई के लिए हमेशा ढाल बनी रहीं. बताया जाता है कि सभी रोज़ाना 10 से 11 घंटे तक पढ़ाई करती थीं. आज उनकी इसी कड़ी तपस्या ने उन्हें बिहार बोर्ड के शिखर पर पहुंचा दिया है. सबरीन के 492 अंक आए और बिहार में पहला स्थान आया है. सभी की यह कामयाबी उन हजारों छात्रों के लिए प्रेरणा है जो अभावों में रहकर बड़े सपने देखते हैं. आज पूरा जिला उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहा है. समरीन परवीन के साथ बिहार में टॉप

करने वाली दूसरी छात्रा सिमतुल्ला आवासीय विद्यालय की पुष्पांजलि कुमारी हैं. दोनों ने 492 यानी करीब 98 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं. सेकेंड टॉपर्स की बात करें तो बेगूसराय की नाहिद सुल्ताना ने 489 अंक (97.8 प्रतिशत) लाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया है. वहीं तीसरे स्थान पर बक्सर की अनूपा कुमार और बेगूसराय के ओम कुमार हैं, जिन्हें 488 नंबर (97.6 प्रतिशत) नंबर मिले हैं. इस साल मैट्रिक में पहले पांच स्थान पर 13 परीक्षार्थी हैं,

जबकि पहले 10 स्थानों में 139 परीक्षार्थी शामिल हैं. "तीन बहनों में सबसे बड़ी सबरीन बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं. उनकी इस सफलता के पीछे उनकी मां अंगूरी देवी का भी बड़ा हाथ है, जो घर के काम के साथ-साथ बेटी की पढ़ाई के लिए हमेशा ढाल बनी रहीं. बताया जाता है कि सभी रोज़ाना 10 से 11 घंटे तक पढ़ाई करती थीं. आज उनकी इसी कड़ी तपस्या ने उन्हें बिहार बोर्ड के शिखर पर पहुंचा दिया है. सबरीन के 492 अंक आए और बिहार में पहला स्थान आया है.

गर्ल्स Vs बॉयज; लड़कों पर फिर भारी पड़ी लड़कियां



बिहार 10वीं बोर्ड के नतीजे जारी कर दिए गए हैं. एक बार फिर लड़कियों ने लड़कों को पीछे छोड़ते हुए बाजी मारी है. टॉप-3 में दो छात्राओं ने कमाल करते हुए टॉप हासिल किया है. एक छात्रा जमुई की है और दूसरी वैशाली की है. मैट्रिक लिस्ट पर गौर करें तो टॉप 10 की मेधा सूची में कुल 139 परीक्षार्थी शामिल हैं, जिनमें से 57 छात्राएं हैं. रिजल्ट जारी होने के बाद छात्र- छात्राएं आधिकारिक वेबसाइट्स पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकते हैं. इस बार कुल 81.79 फीसदी स्टूडेंट्स पास हुए हैं. बिहार 10वीं बोर्ड के नतीजे के बाद फिर एक बार लड़कियों का बोलबाला रहा. टॉप-3 में दो लड़कियों ने बाजी मारी है. इनमें एक छात्रा जमुई की सिमतुल्ला आवासीय विद्यालय की पुष्पांजलि कुमारी और वैशाली की समरीन परवीन ने 492 अंक लाकर विजय पताका लहराया है. दोनों संयुक्त टॉपर हैं. टॉपर सूची में दो छात्राओं ने संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया है. दोनों ही छात्राओं ने 492 अंक (98.4%) हासिल कर राज्य का नाम रोशन किया है. एक और खास बात यह है कि टॉप-10 में 139 स्टूडेंट्स हैं जिसमें 57 छात्राएं हैं.

वो 4 मिनट...और पूरी तरह बदल गई रिकू सिंह की जिंदगी



खेलों की दुनिया में पल विशेष, मिनट विशेष किसी के भी जीवन को 360 डिग्री पर बदल सकते हैं. और रिकू सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही घटित हुआ, जो आज प्रिया सरोज के साथ रिंग सेरेमनी करने जा रहे हैं

...और इस दिन कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत के लिए 205 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रहा थी. मैच के 240 मिनट में से 236 मिनट पर गुजरात का ही कब्जा था. करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों ने मान लिया था कि यहां से गुजरात की जीत सिर्फ औपचारिकता भर है. लेकिन जब कोलकाता को मैच की आखिरी 6 गेंदों और करीब चार मिनट में जीत के लिए 29 रन बनाने थे, तो मोदी स्टेडियम में एक ऐसा तूफान आया, जो आईपीएल इतिहास के सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ पलों में से एक बन गया. ऐसे पल कि जो मेगा टूनमेंट के सर्वकालिक प्रोमो

में सहजता से जगह बना सकते हैं! और यह तूफान निकला रिकू सिंह के बल्ले से! और इस तूफान ने यहां से महीने दर महीने, साल दर साल रिकू के जीवन को पूरी तरह से बदल दिया. गुजरात के लिए आखिरी ओवर रिकू के ही राज्य उत्तर प्रदेश के साथी लेफ्टी पैसर यश दयाल आए. पहली गेंद पर उमेश यादव ने एक रन लेकर स्ट्राइक रिकू को दे दी. और यहां से ओवर की पांच लगातार गेंदों पर रिकू ने 5 छक्के जड़कर गुजरात ही नहीं, पूरे क्रिकेट जगत को दांत तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया. इन 4 मिनट के तूफान ने गुजरात की दुनिया उजाड़ दी. रिकू ने केकेआर के लिए यह सीजन 14 मैचों में 59.25 के औसत से सबसे ज्यादा 474 रन बनाकर समापन किया. यह प्रदर्शन और खासकर लगातार 5 छक्कों से रिकू सिंह की लोकप्रियता देखते ही देखते आसमान छू गई. उनके छक्कों की आवाज स्लेक्टेडों तक पहुंची, तो इसकी गर्मी को बाजार ने भी महसूस किया. यह प्रदर्शन का असर रहा कि कुछ ही महीने बाद रिकू ने 18 अगस्त को इबलिन में भारत के लिए टी20 करियर शुरू किया, तो 19 दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्हें वनडे करियर शुरू करने का मौका मिला.

मियामी ओपन: आर्यना सबालेंका ने जीता मियामी ओपन, कोको गॉफ को लगातार दूसरी बार हराकर जीता खिताब



अपनी पत्नियों के कारण खिलाड़ी लेते हैं संन्यास..., योगराज सिंह का विवादित बयान

टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह अक्सर अपने अजीबो-गरीब बयानों के कारण सुर्खियों में रहते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने ये बयान खिलाड़ियों की पत्नियों को लेकर दिया है जिससे वो आलोचकों के निशाने पर आ गए हैं। योगराज ने साफ कहा कि उस को खिलाड़ी के प्रदर्शन से जोड़ना गलत है। उनके मुताबिक फिटनेस और प्रदर्शन ही किसी खिलाड़ी के करियर का असली पैमाना होना चाहिए, ना कि उस। इनसाइड स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा कि, भारत में लोग 40 की उम्र के बाद खुद को बूढ़ा मानने लगते हैं, महिलाएं 30 के बाद कहती हैं कि अब हम फिट नहीं रह सकते, बच्चे बड़े हो गए हैं। लेकिन खेल को उस से जोड़ना बिल्कुल गलत है। योगराज सिंह ने कहा

कि, अक्सर घर की महिलाएं, पत्नियां आपको समझाने लगती हैं कि अब रिटायर हो जाओ, परिवार और बच्चों पर ध्यान दो। मेरा मानना है कि महिलाओं को खिलाड़ी और उसके करियर के बीच नहीं आना चाहिए। एक खिलाड़ी और एक फकीर का कोई धर्म या वर्ग नहीं होता, वे भगवान के होते हैं। जब तक वे जिंदा हैं बहुत कुछ कर सकते हैं। वहीं योगराज सिंह ने विराट कोहली और रोहित शर्मा पर निशाना साधते हुए साफ कहा है कि खिलाड़ियों को उस नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन से जवाब देना चाहिए। योगराज ने अपने बेबाक अंदाज में कहा कि, रोहित शर्मा और विराट कोहली अभी युवा खिलाड़ी हैं और रिटायर होने की सोच रहे हैं। लानत है ऐसी जिंदगी पर दुनिया को दिखाओ की तुम सबसे बेहतरीन हो, तुम अपरिहार्य हो।

पीएम मोदी ने किया जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम का जिक्र, जमकर की तारीफ

पीएम मोदी ने पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने वाली जम्मू-कश्मीर की क्रिकेट टीम की रविवार को जमकर तारीफ की। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी वहां के खिलाड़ियों की जीत का सिलसिला जारी रहेगा। रेडियो पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में पीएम मोदी ने कहा कि देश के क्रिकेट प्रेमियों के लिए मार्च का महीना उत्साह और रोमांच से भरा रहा। उन्होंने कहा कि, भारत ने जब टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीता तो पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई और सभी देशवासियों को टीम की बेहतरीन सफलता का गर्व है। पीएम मोदी ने कहा कि, पिछले महीने के आखिर में कर्नाटक के हुबली में एक बहुत ही रोचक मैच में जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी जीती। मोदी ने कहा कि सबसे खुशी की बात है कि करीब सात दशक के लंबे इंतजार के बाद इस टीम ने अपना पहला रणजी खिताब हासिल किया। ये अभूतपूर्व सफलता खिलाड़ियों के कई बरसों के निरंतर प्रयासों का



परिणाम है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर टीम के कप्तान पारस डोगरा ने अद्भुत कोशल का प्रदर्शन किया। अपने नेतृत्व से इस जीत में उन्होंने एक अहम योगदान दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आज देश में कश्मीर के युवा गेंदबाज आकिब नबी के प्रदर्शन की भी चर्चा हो रही है जिन्होंने रणजी सत्र में 60 विकेट लिए। उन्होंने कहा कि, इस जीत से टीम

के खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के साथ जम्मू-कश्मीर के लोग बहुत रोमांचित हैं। क्रिकेट के मैदान में इस बेहतरीन प्रदर्शन के बाद वहां के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और बढ़ गया। आने वाले समय में ये कई युवाओं को खेलों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

लोग बोले-क्या आने वाली है तबाही?

मैक्सिको के बीच पर रहस्यमयी मछली

कई देशों की लोककथाओं में माना जाता है कि जब यह मछली समुद्र की गहराई छोड़कर सतह के पास दिखाई देती है, तो यह किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा-जैसे भूकंप या सुनामी का संकेत हो सकता है। इसी वजह से इसे 'डूम्सडे फिश' यानी तबाही का संकेत देने वाली मछली कहा जाने लगा।



इस घटना का वीडियो मोनिका पिटेंजर नाम की महिला ने शेयर किया (Photos: Monica Pittenger/Instagram)

किनारे के पास दिखाई देना बेहद असामान्य माना जाता है।

इस घटना का वीडियो मोनिका पिटेंजर नाम की महिला ने इंस्टाग्राम पर साझा किया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें समुद्र के पानी में दूर एक चमकती हुई आकृति दिखाई दी। जैसे-जैसे वह

जीव किनारे के करीब आया, उन्हें समझ आया कि यह कोई साधारण मछली नहीं है। मोनिका के मुताबिक उन्होंने पहले कभी ऐसी मछली नहीं देखी थी।

उन्होंने कहा कि जब दूसरी ओरफिश दिखाई दी तो वह थोड़ी घबरा भी गई। मोनिका ने बताया

कि उनकी बहन को लगा कि मछली मुश्किल में है। उन्होंने तुरंत अपना फोन, बैग और ड्रिंक उन्हें थमाया और बिना देर किए पानी में उतर गईं।

उन्होंने बताया कि उनकी बहन को किसी भी जीव को तकलीफ में देखना पसंद नहीं है। ①



जंग के बीच ईरान में क्या खोज रहे हैं जासूस

ब्रिटेन के जासूस ईरान के अंदर छिपे नर्व गैस की तलाश में जुटे हैं जो हजारों लोगों की जान ले सकते हैं। सूत्रों का दावा है कि मिडिल ईस्ट युद्ध के बीच ईरान में ब्रिटिश, अमेरिकी और फ्रांसीसी जासूस मौजूद हैं। ताकि, वे उन स्थानों की पहचान कर सकें जहां कथित तौर पर नर्व एजेंट रखे जा रहे हैं। द मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के जासूसों को ईरान के अंदर रासायनिक हथियारों का पता लगाने और उन्हें खोजने का काम सौंपा गया है। ①

अमेरिका के युवा डिजाइनर मैक्स अलेक्जेंडर हो रहे वायरल

फैशन शो में छाया 10 साल का डिजाइनर

फैशन की दुनिया में इन दिनों एक 10 साल के बच्चे का नाम तेजी से वायरल हो रहा है।

अमेरिका के युवा डिजाइनर मैक्स अलेक्जेंडर ने हाल ही में पेरिस फैशन वीक में अपना शानदार डेब्यू किया, जिसके बाद सोशल मीडिया से लेकर फैशन इंडस्ट्री तक हर जगह उनकी चर्चा हो रही है। इतनी कम उम्र में इतने बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाकर मैक्स ने सबको चौंका दिया है। 10। रिपोर्ट के मुताबिक मैक्स अलेक्जेंडर को बचपन से ही फैशन डिजाइनिंग का शौक रहा है। उन्होंने महज चार साल की उम्र से कपड़ों को डिजाइन करना शुरू कर दिया



था। मैक्स की खासियत यह है कि वे रंग-बिरंगे कपड़ों और अनोखे पैटर्न का इस्तेमाल करके बेहद किएटिव ड्रेस तैयार करते हैं। पेरिस फैशन वीक में पेश किए गए उनके कलेक्शन में भी इसी तरह की रंगीन और अनोखी डिजाइन देखने को मिली। ①

वीडियो वायरल, पोते ने पूरा किया सपना

बुजुर्ग दादी की पहली हवाई यात्रा

कभी-कभी जिंदगी के सबसे खूबसूरत पल वही होते हैं, जो लंबे समय से मन में छिपे छोटे-छोटे सपनों से जुड़े होते हैं। ऐसा ही एक भावुक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक बुजुर्ग दादी अपनी जिंदगी की पहली हवाई यात्रा करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो ने इंटरनेट यूजर्स का दिल जीत लिया है और लोग इस खास पल पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। यह वीडियो इंस्टाग्राम पर रवि राज राजपुरोहित नाम के यूजर ने शेयर किया है। उन्होंने अपनी दादी को पहली बार हवाई जहाज में सफर कराने के इस यादगार पल को कैमरे में कैद किया। वीडियो में दादी को एयरपोर्ट के अंदर चलते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद



यह वीडियो इंस्टाग्राम पर रवि राज राजपुरोहित नाम के यूजर ने शेयर किया है (Photo: insta/@rajapurohit_ravirazz)

वह विमान में चढ़ती नजर आती हैं और फिर विमान के अंदर बैठकर इस नए अनुभव को महसूस करती दिखाई देती हैं। पूरे वीडियो में उनकी जिज्ञासा और खुशी साफ झलकती है। वीडियो पर लिखे गए टेक्स्ट के अनुसार, इस खास यात्रा की शुरुआत उसी दिन सुबह एक साधारण-सी जिज्ञासा से हुई थी। दादी ने खिड़की से एक विमान को

उड़ते हुए देखा और हैरानी से पूछा कि आखिर यह उड़ता कैसे है। कुछ ही घंटों बाद उनका यह सवाल एक अनोखे अनुभव में बदल गया, जब वह खुद पहली बार हवाई जहाज में बैठीं। रवि राज राजपुरोहित ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "कुछ सपनों की कोई उम्र नहीं होती। आज दादी ने अपनी पहली फ्लाइट ली। ①

सुनिधि चौहान ने पहली शादी को बताया सबसे बड़ी गलती

सुनिधि चौहान ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी पर्सनल लाइफ पर खुलकर बातचीत की और साथ ही साथ अपनी गलतियों को भी हाईलाइट किया। सुनिधि ने अपनी पहली शादी को जीवन की सबसे बड़ी गलती बताया। सिंगर ने खुलकर बताया कि महज 18 साल की उम्र में उन्होंने अपने पिता की उम्र के एक मुस्लिम शख्स बाँबी खान से शादी कर ली थी। यह फैसला परिवार की मर्जी के खिलाफ था और एक साल बाद यह रिश्ता टूट गया।

बॉलीवुड बबल के साथ इंटरव्यू में सुनिधि ने कहा, "मैंने अपनी जिंदगी में कई बड़ी गलतियाँ की हैं। भगवान का शुक्र है कि उन्होंने मुझे शुरुआती दौर में ही यह एहसास दिला दिया कि मैं गलत जगह पर हूँ। उस समय भी मुझे अंदर से पता था कि सब कुछ ठीक नहीं है, फिर भी मैं उस पल को जी रही थी क्योंकि मुझे यकीन था कि मैं जल्द ही इससे बाहर निकल आऊँगी।" उन्होंने आगे कहा कि अब जब वह उस दौर से काफी दूर निकल चुकी हैं, तो पीछे

मुड़कर नहीं देखतीं। लेकिन अगर कभी उस बारे में बात होती है तो उसे एक सबक के रूप में देखती हैं। इस अनुभव ने उन्हें कम उम्र में ही जीवन की अंधेरी सच्चाई दिखाई और बेहतर इंसान बनने में मदद की। सुनिधि ने साफ शब्दों में कहा, "मुझे पता था कि यह सही नहीं है... मैंने अपने पिता की उम्र के एक मुस्लिम व्यक्ति से शादी की और वह रिश्ता सिर्फ एक साल चला।" उन्होंने यह भी कहा कि शायद उन्हें उतनी तकलीफ नहीं झेलनी पड़ी जितनी कई दूसरी महिलाओं को झेलनी पड़ती है। 18 साल की उम्र में कोरियोग्राफर बाँबी खान से हुई यह शादी परिवार वालों को पसंद नहीं थी। तलाक के बाद सुनिधि ने अपना पूरा फोकस म्यूजिक करियर पर फोकस कर दिया। जल्द ही उन्होंने एक के बाद एक हिट गाने दिए और टॉप सिंगर बन गईं। 2012 में उन्होंने म्यूजिक कंपोजर हितेन सोनिक से दूसरी शादी की। 2018 में इस जोड़े ने एक बेटे का स्वागत किया। आज सुनिधि अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिंदगी दोनों में बैलेंस बनाए हुए हैं।



राजधानी में 59 दिन में 342 सड़क हादसे: 128 मौतें, 321 घायल

राजधानी लखनऊ में 59 दिन में 342 सड़क हादसे हुए। इसमें 128 लोगों की मौत हुई, जबकि 321 घायल हुए। मंडलायुक्त ने हादसों की रिपोर्ट तलब की है।

राजधानी लखनऊ में 59 दिन के भीतर 342 सड़क हादसे हुए। इनमें 128 लोगों की मृत्यु हुई। जबकि, 321 घायल लोग हुए। सड़क हादसों की यह भयावह स्थिति तब है, जब सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। जागरूकता लाई जा रही है। लेकिन, विभाग हादसों पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। सड़क हादसों में हुई वृद्धि पर शनिवार को मंडलायुक्त कार्यालय में हुई मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में चिंता व्यक्त की गई। इस दौरान मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने परिवहन विभाग के अधिकारियों रिपोर्ट बनाने का निर्देश दिया। इसमें हादसों की वजह, जगहों, वृद्धि के कारणों व निवारण का जिक्र करना होगा। अधिकारियों के मुताबिक, महीने भर के अंदर यह रिपोर्ट बनाकर सांेपनी होगी। बैठक में परिवहन विभाग के लखनऊ संभाग की रिपोर्ट पर चर्चा हुई। इसके अनुसार लखनऊ की स्थिति बेहद खराब पाई गई। जनवरी व फरवरी की गत वर्ष व इस साल तैयार की गई रिपोर्ट की चर्चा में यह बात सामने आई कि लखनऊ में हादसे, मृतकों व घायलों की संख्या बढ़ी है। लखनऊ में उपरोक्त महीनों



में गत वर्ष 271 हादसे हुए, जो इस साल बढ़कर 342 हो गए। इसमें 26.2 प्रतिशत वृद्धि हुई। मृतकों की संख्या 99 से बढ़कर 128 हो गई। इसमें 29.3 फीसदी की वृद्धि हुई। घायलों की संख्या 187 से 321 हो गई। इसमें 71.7 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। लखनऊ संभाग में कुल 1049 हादसे हुए, जो इस बार बढ़कर 1074 हो गए। मृतकों की संख्या 549 से बढ़कर 551 व घायलों की संख्या 732 से 832 हो गई। मंडलायुक्त ने कहा कि यह चिंतनीय है। ऐसे में हादसों की वजह पता कर रिपोर्ट दी जाए। ऐसे ही राहवीर योजना की समीक्षा में मिला कि वर्ष 2025 में लखनऊ मंडल में केवल 11 प्रस्ताव प्रेषित किए गए थे, जिसमें जनपद लखनऊ में कोई प्रस्ताव नहीं प्रेषित किया गया। वहीं 2026 में अभी तक जनपद लखनऊ एवं लखीमपुर खीरी में दो-दो प्रस्ताव भेजे गए हैं। हिट एंड रन योजना के तहत वर्ष 2025 में लखनऊ में कुल

24 आवेदन मिले थे। इसमें चार निस्तारित किए गए, 20 लंबित हैं। वहीं, वर्ष 2025 में कुल 221 प्रकरण मिले। इसमें 90 प्रकरण निस्तारित हुए, 131 प्रकरण लंबित पाए गए। वर्ष 2026 में फरवरी तक कुल 35 प्रकरण मिले। इसमें केवल एक निस्तारित किया गया। साथ ही राहवीर योजना, हिट एंड रन मामलों को लेकर बनी योजना आदि को प्रचारित-प्रसारित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर) एमपी सिंह, आरटीओ (प्रवर्तन) प्रमात पाण्डेय, अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग जेपी सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) अभिनव यादव आदि उपस्थित रहे। ब्लैक स्पॉट्स की समीक्षा के दौरान पाया गया कि वर्ष 2025 में कुल 283 ब्लैक स्पॉट्स चयनित किए गए थे। इसमें 151 ब्लैक स्पॉट्स लोक निर्माण विभाग से संबंधित, 100 ब्लैक स्पॉट्स एनएचआई से

संबंधित तथा 32 ब्लैक स्पॉट्स नेशनल हाईवे, पीडब्ल्यू से संबंधित थे। मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि इन ब्लैक स्पॉट्स को ठीक कराया जाए तथा मानक के अनुसार ब्लैक स्पॉट्स को बंद किया जाए। सड़क हादसों के मामले में हरदोई की स्थिति संभाग में सबसे बेहतर है। हरदोई में गत वर्ष जनवरी से फरवरी के बीच 191 हादसे हुए, जो इस बार घटकर 163 रह गए। 14.7 प्रतिशत हादसे घटे। ऐसे ही मृतकों की संख्या 97 थी, जो घटकर 92 रही। घायलों की संख्या में 15.4 प्रतिशत कमी दिखी। यह 123 से घटकर 104 हो गई। ऐसे ही उन्नाव में सिर्फ एक हादसा बढ़ा। 157 से 158 हादसे हुए। मृतकों की संख्या 101 से घटकर 81 रह गई। घायल 117 थे। इसमें वृद्धि हुई है। यह 147 हो गए। ऐसे ही रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर में भी हादसे कम हुए। लेकिन, लखनऊ की स्थिति पूरे संभाग में बदतर है।



एसटीएफ की जांच में हैरान करने वाले खुलासे

यूपी में सॉल्वर के जरिये परीक्षा पास करके 50 लोग नौकरी कर रहे हैं। एसटीएफ की जांच में हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। अभ्यर्थियों को दिव्यांग दिखाकर उनकी जगह सॉल्वर बैठाकर परीक्षा पास कराने का मामला इस समय चर्चाओं में है। उत्तर प्रदेश में कागजों में खुद को दिव्यांग दिखाकर सॉल्वर के जरिये परीक्षा पास कर सरकारी नौकरी करने वाले 50 लोगों के नामों का खुलासा हुआ है। इन सभी की नौकरियों पर तलवार लटकने लगी है। एसटीएफ और पुलिस और सबूत व दस्तावेज जुटाने के बाद इनसे पूछताछ करेगी। आगे की तफ्तीश में फर्जीवाड़ा कर नौकरी हासिल करने वालों की संख्या और भी बढ़ेगी। एसटीएफ ने 25 मार्च को गिरौह का खुलासा कर सरगना मनीष मिश्रा समेत 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसमें तीन अभ्यर्थी व तीन सॉल्वर थे। ये सभी सीबीएसई द्वारा आयोजित जूनियर क्लर्क की भर्ती परीक्षा में शामिल थे। एसटीएफ की तफ्तीश में सामने आया था कि आरोपी पहले अभ्यर्थियों का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने थे, फिर उनकी जगह पर लेखक के रूप में सॉल्वर उपलब्ध करवाते थे। सॉल्वर को एक परीक्षा का 20-40 हजार रुपये देते थे।

नई आबकारी नीति से आया ये बदलाव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में हर साल 31 मार्च को शराब के शौकीनों के लिए खास दिन माना जाता था, जब ठेकेदार स्टॉक खत्म करने के लिए शराब पर भारी छूट देते थे। लेकिन इस बार यह परंपरा टूटती नजर आ रही है। इसकी बड़ी वजह राज्य सरकार की नई आबकारी नीति है, जिसने पूरे सिस्टम को बदल दिया है। शराब के शौकीनों को सस्ती बोतल का इंतजार रहता था, लेकिन इस बार यह परंपरा टूटती नजर आ रही है। वजह है सरकार की नई आबकारी नीति, जिसमें ठेकों का नवीनीकरण कर दिया गया है। यानी दुकान वही, ठेकेदार वही तो स्टॉक खत्म करने की मजबूरी भी नहीं। जिले में करीब 1100 शराब की दुकानें हैं। इस बार इन सभी पर पुराना स्टॉक नए वित्तीय वर्ष में भी आसानी से खपाया जाएगा। पहले ठेका बदलने की स्थिति में दुकानदार 31 मार्च से पहले स्टॉक खाली करने के लिए कीमतें गिरा देते थे, लेकिन अब ऐसा दबाव खत्म हो गया है। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के निकट स्थित मॉडल शॉप के सेल्समैन अमित ने बताया कि इस बार 31 मार्च तक स्टॉक निल करने की बाध्यता नहीं है। शासन की नीति के आधार पर अनुज्ञापियों का ठेके का एक अप्रैल को स्वतः नवीनीकरण हो जाएगा।



आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शराब कारोबारी पवन जायसवाल ने बताया कि इसके साथ नई आबकारी नीति 2026-27 में कई बदलाव भी किए गए हैं। मॉडल शॉप और प्रीमियम वेंड के लाइसेंस शुल्क में भी इजाफा किया गया है। शराब की टेस्टिंग फीस 160 रुपये से बढ़ाकर 250 रुपये कर दी गई है। कारोबारियों का कहना है कि लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन मुनाफा उसी अनुपात में नहीं बढ़ पा रहा। ऐसे में छोटे व्यापारियों पर ज्यादा दबाव पड़ सकता है। जिला आबकारी अधिकारी करुणेंद्र सिंह ने बताया कि जिन लोग नवीनीकरण के लिए आवेदन देंगे, उनके लाइसेंस का

नवीनीकरण कर दिया जाएगा। वहीं, कारोबारियों का कहना है कि नई आबकारी नीति 2026-27 में लाइसेंस फीस और टेस्टिंग शुल्क में भी बढ़ोतरी की गई है। इससे लागत तो बढ़ी है, लेकिन मुनाफा उसी अनुपात में नहीं बढ़ रहा, जिससे छोटे व्यापारियों पर दबाव बढ़ सकता है। जिला आबकारी अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जो अनुज्ञापी नवीनीकरण के लिए आवेदन करेंगे, उनके लाइसेंस नियमानुसार बढ़ा दिए जाएंगे। सस्ती शराब की उम्मीद लगाए बैठे लोगों को निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि नई नीति ने सालों पुरानी इस परंपरा को बदल दिया है।

भर्ती के लिए रिश्त

लेने में CRPF के DIG को तीन साल की सजा



उत्तर प्रदेश में सीआरपीएफ में सिपाही (जीडी) भर्ती में रिश्त लेने के मामले में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश ने तत्कालीन डीआईजी विनोद कुमार शर्मा, सीआरपीएफ कर्मी सत्यवीर सिंह व तीरथ पाल चतुर्वेदी को तीन वर्ष कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों पर 1.20 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। बताते चलें कि वर्ष 2009 में सिपाही (जीडी) भर्ती के दौरान अभ्यर्थियों से नौकरी दिलाने के बदले रिश्त लेने के आरोप लगे थे। डीआईजी

विनोद कुमार शर्मा पर अन्य आरोपियों के साथ मिलकर इसकी साजिश रचने के आरोप लगे थे। जांच में इसकी पुष्टि हुई थी। जांच में पता चला था कि पैसे लेने के बाद उम्मीदवारों को भर्ती से जुड़ी जानकारी पहले से मुहैया कराकर भर्ती में मदद की जाती थी। शिकायत पर सीबीआई ने 23 फरवरी 2009 को मामला दर्ज किया गया था। जांच पूरी होने के बाद 23 नवंबर 2012 को आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई। अब कोर्ट ने सुनवाई के बाद तीनों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई है।

'मेरी बाँदी, मेरी मर्जी', पुलिस हमको कैसे देखेगी: लखनऊ में LGBTQIA समुदाय सड़कों पर

लखनऊ में रविवार को L G B T Q I A (लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर, क्वीर, इंटरसेक्सुअल, असेक्सुअल) समुदाय के करीब 500 लोग सड़कों पर उतर आए। सभी ट्रांसजेंडर पर्सन्स अमेंडमेंट बिल-2026 के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए 'काला बिल वापस लो', 'मेरी बाँदी, मेरी मर्जी' के नारे लगाने लगे। प्रदर्शनकारियों ने कहा- डॉक्टर हम लोगों में से किसकी-किसकी जांच करेंगे? सेक्स सबके पास है, फीलिंग अलग-अलग है। हम

सेक्स के आधार पर नहीं बल्कि, फीलिंग से ट्रांस हैं। ये लोग जैसे ही बेगम हजरत महल पार्क से विधानसभा की ओर बढ़े, पुलिस ने उन्हें बैरिकेडिंग कर रोक दिया। इस बिल में कहा गया है कि जो लोग अपनी यौन अभिवृत्ति (सेक्सुअल ओरिएंटेशन) या अपनी पहचान (जेंडर आइडेंटिटी) को खुद महसूस करते हैं, उन्हें ट्रांसजेंडर नहीं माना जाएगा। इसे ऐसे भी समझ सकते हैं कि अगर कोई व्यक्ति अपनी यौन अभिवृत्ति या जेंडर आइडेंटिटी को खुद तय करता है, तो

उसे ट्रांसजेंडर नहीं माना जाएगा। इसका मतलब है कि ट्रांसजेंडर की परिभाषा अब केवल उन लोगों तक सीमित कर दी गई है जो पहले से ही इस श्रेणी में हैं। प्रदर्शन करते शुभम अग्रहरि उर्फ सुरभि ने कहा नए बिल के हिसाब से हमारे कपड़े उतार करके देखा जाएगा कि हम मेल हैं या फीमेल। पहले साइकैटरिस्ट हमें मेंटली प्रूफ करते थे। अब नए बिल के हिसाब से हम कपड़े उतारकर अपना **** दिखाएंगे और बताएंगे कि मेल हैं? ये बहुत गलत है। हम NALSA के जजमेंट



के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। इस बिल से थर्ड जेंडर के लोग तनाव में हैं। हम लोगों को हिजड़ा कम्युनिटी में नहीं जाना है तो

जबरदस्ती क्यों भेजा जा रहा। हमें ताली बजाकर भीख नहीं मांगना। हम अपनी बाँदी से संतुष्ट नहीं है इसलिए सर्जरी करवाते हैं।

उन्नाव के युवक बना रक्षा मंत्रालय में लेखा परीक्षक: ग्रामीण परिवेश से निकलकर हासिल की बड़ी सफलता



उन्नाव जिले के बीघापुर तहसील के आकमपुर गांव निवासी सत्यम बाजपेई का चयन रक्षा मंत्रालय (वित्त) के अधीन लेखा परीक्षक (ऑडिटर) के पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे जनपद में हर्ष का माहौल है। सत्यम का यह सफर चुनौतियों से भरा रहा। ग्रामीण परिवेश और सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद उन्होंने बड़े सपने देखे। कई बार आर्थिक तंगी के कारण उन्हें पढ़ाई छोड़ने की स्थिति का सामना

करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और विपरीत परिस्थितियों को अपनी ताकत बनाया। उनकी प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा त्रिवेणी काशी इंटर कॉलेज से हुई। मेधावी छात्र होने के बावजूद फीस भरना उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी। सत्यम की लगन को देखते हुए विद्यालय प्रबंधन ने उनकी फीस माफ कर दी, जिससे उनकी शिक्षा जारी रह सकी। चयन के बाद विद्यालय पहुंचने पर गुरुजनों ने उनका स्वागत किया

और उनकी सफलता को अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बताया। सत्यम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार और विशेष रूप से अपने फूफा सुशील कुमार (निवासी साहिला) को दिया है। उन्होंने बताया कि तैयारी के दौरान वह अपने फूफा के घर रहकर ही पढ़ाई करते थे। फूफा के मानसिक और आर्थिक सहयोग ने उन्हें कठिन समय में संबल प्रदान किया। सत्यम बाजपेई ने अपनी सफलता पर कहा,

“अगर इरादे नेक हों और लक्ष्य के प्रति ईमानदारी हो, तो दुनिया की कोई भी ताकत आपको सफल होने से नहीं रोक सकती।” उनके चयन की सूचना मिलते ही आकमपुर गांव सहित पूरे बीघापुर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने कहा कि सत्यम ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या अमीर घर तक सीमित नहीं होती। वह आज युवाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत बन चुके हैं।



उन्नाव में बनेगा यूपी क्रिकेट का नया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, कमला क्लब की विरासत आगे बढ़ेगी

उप्र क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) का नया सेंटर आफ एक्सीलेंस उन्नाव के मुर्तजा नगर स्थित 13 हेक्टेयर की जमीन पर बनेगा। जहां पर अगले सत्र से प्रदेश स्तरीय और बोर्ड ट्राफी के ट्रायल का आयोजन कराने की तैयारी है। वर्ष 1987 से क्रिकेट की नर्सरी के रूप में संचालित कमला क्लब की लीज 31 मार्च को समाप्त हो रही है। ऐसे में कमला क्लब में क्रिकेट का अस्तित्व समाप्त होता दिख रहा है। इसको देखते ही यूपीसीए ने उन्नाव में सेंटर आफ एक्सीलेंस बनाने की शुरुआत कर दी है। वहीं, यूपीसीए के मुख्यालय के लिए फिर से कमला नगर स्थित पुराने कार्यालय में शिफ्ट होने की चर्चा है। शहर के प्रमुख औद्योगिक घराने जेके समूह की ओर से प्रदेश में क्रिकेट को बढ़ाने के लिए जरीब चौकी स्थित कमला क्लब को क्रिकेट की गतिविधियों के लिए दिया गया था। जहां पर लंबे समय तक प्रथम श्रेणी और बोर्ड ट्राफी के मैच कराए गए। 1987 में नार्थ जोन और साउथ जोन का मुकाबला खेला गया था। वहीं, 1988 से 2007 के बीच कई राज्यों की महिला और पुरुष टीम के बीच मुकाबले खेले गए। क्रिकेट की नर्सरी के रूप में संचालित कमला क्लब यूपीसीए के ट्रायल, कैप और अभ्यास मैच का केंद्र है। जहां पर स्टेकल और ट्रेनिंग के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का कैप भी आयोजित किया जा चुका है। बताया जा रहा है कि लीज समाप्ति की तिथि नजदीक आने पर भी यूपीसीए की ओर से लीज को बढ़ाने का कोई पत्राचार नहीं किया गया है। चर्चा है कि कमला क्लब होटल ताज के दायरे में आ रहा है।



ARTO की हनक या गुंडई? पैसे नहीं दिए तो पीटा, टैंकर ड्राइवर का गंभीर आरोप

उन्नाव जिले में परिवहन विभाग सड़क पर सरेआम गुंडई को लेकर चर्चा में है। दही थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एआरटीओ प्रवर्तन प्रतिभा गौतम और उनकी टीम पर एक टैंकर ड्राइवर की बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगा है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल रहा है, जिससे विभाग की छवि पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि, अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कथित तौर पर एआरटीओ प्रवर्तन की टीम को एक ड्राइवर के साथ अभद्रता और मारपीट करते हुए देखा जा सकता है। जिओ पेद्रोलियम का टैंकर चलाने वाले पीड़ित ड्राइवर का कहना है कि चेकिंग के नाम पर उससे अवैध धन की मांग की गई थी। जब उसने पैसे देने से मना किया और विरोध जताया, तो अधिकारी ने आपा खो दिया और उसके साथ हाथापाई शुरू कर दी।

हे राम कहें जमुहाई लेकर हम पाए विश्राम...



बीघापुर। तहसील क्षेत्र के अढ़ौली गांव में रामनवमी पर काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ रामभरोसे सिंह ने मां सरस्वती की वंदना के साथ किया। कवि अनुज तिवारी ने पढ़ा, ‘राम राम कहना ही है अभिवादन अभिराम, हे राम कहें जमुहाई लेकर हम पाए विश्राम।’ संजीव तिवारी पिंटू ने ‘लंकापति मारने वाले राम, अहिल्या तारने वाले राम,’ पढ़ा तो पूरा पंडाल राममय हो गया। कवि मनोज सरल ने ‘कण-कण राम राम, तृण-तृण राम राम, राम राम धरा पर राम रामे व्योम में,’ पढ़कर तालियां बटोरीं। डॉ. शिवपाल सिंह

ने वसंत ऋतु पर रचना सुनाई जिसमें ऋतु के सौंदर्य का वर्णन था। कवि अयोध्या प्रसाद सुमन, रामविलास सिंह और योगेंद्र सहित अन्य कवियों ने भी प्रभु श्रीराम पर अपनी रचनाएं सुनाईं। इन रचनाओं ने श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। काव्य गोष्ठी में रामविलास सिंह, ग्राम प्रधान रामभरोसे सिंह और चंद्र किशोर सिंह भी शामिल रहे। उन्होंने सभी कवियों और अतिथियों का स्वागत किया। आयोजकों ने अंग वस्त्र तथा प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। पप्पू सिंह चंदेल, चंद्रकांत बाजपेयी और अनुज तिवारी ने भी कार्यक्रम में योगदान दिया।

दहेज प्रताड़ना से तंग नवविवाहिता ने की आत्महत्या: उन्नाव में परिजनों ने पति पर लगाए गंभीर आरोप, पुलिस जांच जारी

उन्नाव के हसनगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दहेज प्रताड़ना का एक मामला सामने आया है। यहां मौला वाकीपुर गांव में रविवार को एक नवविवाहिता ने आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान मलिहाबाद, लखनऊ निवासी विजय की पत्नी सीमा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सीमा ने गांव के पास एक बाग में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। बताया जा रहा है कि सीमा की शादी लगभग छह महीने पहले हुई थी। शादी के बाद से ही उसका पति दहेज की मांग को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहा था। मृतका का मायका उन्नाव के हसनगंज थाना क्षेत्र के मौला वाकीपुर गांव में ही है। घटना की सूचना मिलते ही मायके पक्ष में हड़कंप मच गया। मृतका के भाई ने उसके पति पर



गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि दहेज की मांग और मानसिक प्रताड़ना के कारण ही सीमा ने यह कदम उठाया। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।



उन्नाव में एसएसपी ने की मासिक अपराध गोष्ठी: विवेचना में लापरवाही पर थानेदारों को अल्टीमेटम, दिए सख्त निर्देश

उन्नाव में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और अपराध नियंत्रण की समीक्षा के उद्देश्य से रविवार को पुलिस लाइन सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जय प्रकाश सिंह ने गोष्ठी की अध्यक्षता की, जिसमें पुलिस प्रशासन के सभी वरिष्ठ अधिकारी और थानाध्यक्ष उपस्थित रहे। एसएसपी ने विवेचना में लापरवाही बरतने वाले थानेदारों को सख्त अल्टीमेटम दिया।

बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष, पुलिस कार्यालय और विभिन्न शाखाओं के प्रभारी अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान जिले के सभी थानों में दर्ज अभियोगों की विस्तार से समीक्षा की गई। गंभीर अपराधों से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

एसएसपी ने अधिकारियों को वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी में तेजी लाने तथा महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता के साथ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने शांति एवं अभ्यस्त अपराधियों को चिन्हित कर उनकी हिस्ट्रीशीट खोलने, गुंडा एक्ट के तहत जिलाबंदर की कार्रवाई करने और संगठित अपराधियों व माफियाओं पर गैंगस्टर एक्ट व राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कठोर कार्रवाई करने पर विशेष जोर दिया। गोष्ठी में जनशिकायतों के त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए। एसएसपी ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निपटारा किया जाए और आवेदकों से स्वयं बात कर फीडबैक लिया जाए, ताकि शिकायतों के समाधान की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

कादिरपुर नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू, 32 टीमों ने लिया भाग:

उन्नाव के मियागंज ब्लॉक के कादिरपुर गांव में वार्षिक नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट (केपीएल) सीजन 3 का शनिवार शाम करीब सात बजे शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल 32 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से 16 टीमों ने लीग मैच जीतकर पहले चरण में प्रवेश कर लिया है। अगले मुकाबले रविवार रात आठ बजे से शुरू होंगे। टूर्नामेंट का उद्घाटन सपा नेता स्वरित चौधरी, जिला पंचायत सदस्य फरान रहमान सफवी, प्रधान पति लालाराम जायसवाल, पूर्व प्रधान सरोज सैनी, कादिरपुर प्रधान प्रतिनिधि सुरेश कनौजिया और सोनू जायसवाल ने फीता काटकर किया। शुभारंभ से पहले सभी खिलाड़ियों ने राष्ट्रगान गाकर सम्मान व्यक्त किया। मुख्य अतिथियों ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल शारीर और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आपसी भाईचारे और खेल भावना पर जोर दिया, कहा कि जीत के लिए खेलना चाहिए, लेकिन हार को भी स्वीकार कर अपनी कमियों को सुधारने का हौसला रखना चाहिए। इस अवसर पर वैश खान, समीर, फरीद, जैनुल आबदीन, साहिल मंसूरी, आसिफ, आमिर, इबादुर्रहमान खान, सईद खान (भैया), सोनू जायसवाल, आफताब खान, बासित खान, खालिद, सैफ खान, फैयाज अली, फहीम, डॉ. अजीत सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

नोएडा से अखिलेश ने चुनावी अभियान का आगाज विकास के दावों पर उठाए सवाल

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव आज, 29 मार्च को नोएडा में एक बड़ी रैली करेंगे. इस जनसभा से सपा 2027 के विधानसभा चुनाव का शंखनाद करेगी. ये रैली गौतमबुद्ध नगर के मिहिर भोज डिग्री कॉलेज मैदान में होगी.

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव आज, 29 मार्च को गौतमबुद्ध नगर के दादरी स्थित मिहिर भोज डिग्री कॉलेज मैदान में बड़ी रैली करने जा रहे हैं. इस रैली के जरिए सपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 32 जिलों में फैली 140 विधानसभा सीटों पर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश करेगी. रैली को आगामी 2027 विधानसभा चुनाव के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है. साल 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा और बीजेपी के बीच ताकत दिखाने की जंग तेज हो गई है. समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव इस रैली के जरिए वोटों को साधने के साथ बड़ा राजनीतिक संदेश देने की कोशिश करेंगे. पार्टी नेताओं का दावा है कि इस रैली के बाद प्रदेश में बीजेपी का ग्राफ गिरना शुरू हो जाएगा. इस रैली के जरिए सपा पश्चिमी यूपी की 32 जिलों में फैली 140 विधानसभा सीटों पर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने की तैयारी में जुटी है. इस रैली को पार्टी के चुनावी अभियान का आधिकारिक आगाज माना जा रहा है. पार्टी का लक्ष्य जाट, गुर्जर, मुस्लिम और



दलित वोटों को एकजुट करना है. अखिलेश भाजपा को घेरते हुए बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मुद्दों पर सरकार को जवाब देंगे. नोएडा में होने वाली इस जनसभा के जरिए समाजवादी पार्टी पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 142 विधानसभा सीटों को साधने की रणनीति पर काम कर रही है. इस रैली को सफल बनाने की

जिम्मेदारी गुर्जर समाज के नेताओं को दी गई है. मिली जानकारी के मुताबिक राजकुमार भाटी के नेतृत्व में पिछले कई महीनों से इस रैली की तैयारियां की गईं. पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी का दावा है कि यह रैली 2027 के चुनाव की शंखनाद रैली होगी. रैली की तैयारियों में पार्टी के बड़े

पदाधिकारी, बूथवार कमिटी और स्थानीय कार्यकर्ता पूरी तरह जुटे हैं. समाजवादी पार्टी का कहना है कि वर्तमान शासन से यूपी के हर वर्ग में असंतोष फैला हुआ है. पार्टी पदाधिकारी लोगों को जोड़ने के लिए सरकार की कथित नाकामियों को रैली में उजागर करेंगे. सपा का आरोप है कि सरकार सिर्फ विध्वंसालक कार्यों में लगी है, चाहे बुलडोजर से मकान गिराना हो या समाज में भाईचारे को तोड़ना हो. पार्टी का दावा है कि हिंदू-मुस्लिम और जातिगत आधार पर लोगों को बांटकर समाज में दरार डाली जा रही है. समाजवादी पार्टी जहां रैली के जरिए अपनी ताकत दिखाना चाहती है, वहीं BJP विकास के मुद्दे को आगे रखकर जनता का समर्थन जुटा रही है. अब सबकी नजर इस बात पर है कि मंच से अखिलेश यादव क्या संदेश देते हैं और इसका चुनावी समीकरणों पर क्या असर पड़ता है.

अखिलेश बोले- नोएडा एयरपोर्ट का उद्घाटन बेचने के लिए किया

अखिलेश यादव ने रविवार को नोएडा के दादरी में समाजवादी समता भाईचारा रैली को संबोधित किया। जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन पर उन्होंने तंज कसा कि यूपी के 7 में से 6 एयरपोर्ट बंद हो गए हैं। कम से कम यह वादा करते जाते कि उद्घाटन के बाद इसे बेचा नहीं जाएगा। लगता तो ऐसा है कि यह उद्घाटन ही बेचने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा- जिसने अत्याचार, अन्याय और उत्पीड़न की पीड़ा नहीं झेली, वो हमारे दर्द को नहीं समझ सकते। वो हमदर्दी तो दिखा सकते हैं, लेकिन हमारा दर्द महसूस नहीं कर सकते। जो हमारे घर को गंगाजल से धुलवाने पर हमें हुआ था। सपा प्रमुख ने कहा- मंदिर जाने पर मंदिर धुलवाने पर हमने यह दर्द महसूस किया था। हम उन नकारात्मक लोगों को मिटाना नहीं चाहते, बस समझाना चाहते हैं। अब दौर बदल गया है। अभी समय है- चालबाजी छोड़ दें, भेदभाव छोड़ दें। भविष्य उनका नहीं है। नहीं तो आज उनके झंडे उतर गए हैं, कल सत्ता के सिंहासन से भी उतार दिए जाएंगे। इससे पहले, अखिलेश ने 9वीं सदी के गुर्जर-प्रतिहार वंश के सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। गंगाजल से उनकी प्रतिमा का शुद्धिकरण किया। इस रैली को सपा के 2027 विधानसभा चुनाव अभियान का आगाज माना जा रहा है। दरअसल, पश्चिमी यूपी में गुर्जर समुदाय काफी प्रभावशाली माना जाता है। गाजियाबाद, नोएडा, दादरी, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बिजनौर, संभल, कैराना जैसी करीब 24 सीटों पर 20 से 70 हजार तक गुर्जर वोट हैं। अब तक यह भाजपा का साथ देता आया है। अब सपा इस गठजोड़ में संधमारी करना चाहती है।

वाराणसी के दालमंडी में फिर गरजा बुलडोजर, 18 मकान-दुकानों पर आज कार्रवाई; 650 मीटर क्षेत्र बनेगा मॉडल रोड

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में शहर के व्यस्त कारोबारी इलाके दालमंडी में एक बार फिर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू होने जा रही है. करीब एक महीने के अंतराल के बाद लोक निर्माण विभाग (PWD) आज 18 मकानों और दुकानों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी में है. इससे पहले प्रशासन इस इलाके में 60 से अधिक भवनों को जमींदोज कर चुका है. प्रशासन की इस कार्रवाई के चलते दालमंडी में भय का माहौल बना हुआ है. दुकानदारों ने संभावित कार्रवाई के डर से अपनी दुकानें पहले ही बंद कर दी हैं. कई दुकानों पर ताले लटक चुके हैं, जिससे इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है. प्रशासन द्वारा पहले ही मुनादी कराकर और नोटिस जारी कर व्यापारियों व मकान मालिकों को चेतावनी दी गई थी, जिसके बाद लोगों ने एहतियातन अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए. यह कार्रवाई नई सड़क से लेकर चौक थाने तक करीब 650 मीटर लंबे क्षेत्र में की जा रही है. इस पूरे हिस्से को मॉडल सड़क के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे यातायात सुगम होगा और इलाके की आधारभूत संरचना को बेहतर बनाया जा सकेगा. परियोजना के तहत सड़क चौड़ीकरण, ड्रेनेज सिस्टम और अन्य सुविधाओं को भी विकसित किया जाएगा.

मेरठ में महाराजा सूरजमल की मूर्ति से जाट शब्द हटाने पर हंगामा, धरने पर बैठा जाट समाज, पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप



उत्तर प्रदेश के मेरठ के मोदीपुरम क्षेत्र स्थित सकोती गांव में महाराजा महाराजा सूरजमल की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम के दौरान उस समय माहौल गरमा गया, जब शिलालेख से 'जाट' शब्द हटाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया. हितकारी किसान इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, समाज के लोग और युवा मौजूद थे, लेकिन कार्यक्रम जल्द ही सामाजिक मुद्दे से राजनीतिक रंग में बदल गया. कार्यक्रम में पहुंचे नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने मंच से इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिमा के नीचे लगाए गए शिलालेख से 'जाट' शब्द जानबूझकर हटाया गया है, जो समाज की पहचान और सम्मान से जुड़ा विषय है. उन्होंने कहा कि इतिहास और विरासत के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी और 'जाट' शब्द को तत्काल वापस जोड़ा जाना चाहिए. बेनीवाल ने मंच से ही केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान को नसीहत देते हुए कहा कि प्रशासन से तुरंत बातचीत कर इस मामले का समाधान कराया जाए. उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे.

आयुष्मान भारत

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

70 वर्ष और उससे अधिक आयु के

सभी वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा वय वंदना योजना का लाभ

योजना की विशेषताएं

- सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में ₹5 लाख तक का निःशुल्क उपचार
- मौजूदा बीमारियों का कवरेज पहले दिन से लागू
- 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्ग, जिनके पास पहले से कोई निजी बीमा है, वे भी पात्र होंगे
- 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के राज्य बीमा योजना (ESIC) के लाभार्थी भी पात्र होंगे

कैसे बनवाएं आयुष्मान वय वंदना कार्ड?

प्ले स्टोर से आयुष्मान ऐप डाउनलोड करें

मोबाइल नंबर से लॉगिन करें

सभी आवश्यक जानकारी भरें और e-KYC करें

अपना कार्ड डाउनलोड करें

आवश्यक दस्तावेज

आधार कार्ड और उससे लिंक मोबाइल नंबर

पात्रता के मापदंड

लाभार्थी की आयु 70 वर्ष या उससे अधिक होना अनिवार्य है

आयु का सत्यापन आधार e-KYC के माध्यम से ही पूरा होगा

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत

15 जनवरी से 15 अप्रैल, 2026 तक विशेष अभियान

इस दौरान अपने नजदीकी कैंप पर जाकर आयुष्मान कार्ड बनवाएं

सूचीबद्ध अस्पतालों की सूची जानने के लिए QR कोड स्कैन करें

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 1800-1800-4444/14555

कार्यालय का पता दूसरी और चौथी मंजिल, नवचेतना केंद्र, 10 अग्रोहा मार्ग, इन्दिरा नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226001

अब इंटरनल किस बात का, आज ही ऐप डाउनलोड कर बनवाएं

आयुष्मान वय वंदना कार्ड

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

UPGovtOfficial

CMOUTUP

CMOfficeUP